

तुबारि संपादकीय
टीम

◆अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

◆इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ू जे इ पत्रिका शुरु कियो असी।

◆तुबारि एक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

◆तुबारि पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कहेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ई सोचता बि त अस जिम्मेवार नेई।

◆छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असी कि पेहली बार पांगवाड़ी लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ती त गलती बि भुन्ती। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

◆आर्टिकल्स ना मिले, या घाटि मेहणु के मदद ना मिले त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकती।

◆कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीम पुरा अधिकार असा।

◆अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भेण्डे हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सुझाव त आर्टिकल्स रखुं जे सुविधा कियो असी।

◆अस सोबी पांगेई मेहणु जे हात जोड़ कइ निवेदन कते कि, तुस बि कोई अच्छा आर्टिकल, पुराणी या नोवी कथा, कहावत, कविता, त नोवे घीत (पंगवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418431531

9418429574

9418329200

9418411199

9418904168

9418721336



कलभुत

शीतल, क्लास:8, परमश गां

कलभुत एक रोज लेहर आई।

से बोलुण लगी “अउं ई टगो किस असी।”

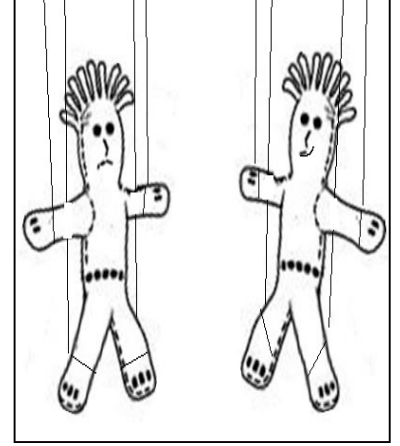
तुं में अगर पतुं बन्हो इन्हि धागी टोड़ छड़,

त मोउं अपु खुरी पुठ खड़ भूण दे।

ई शुण कइ होरि कठपुतली बि बोलुण लगी,

कि हाँ कलभुत मन अन्तर कि छद भुई,

अजाद भुणे ई की इच्छा में मन अन्तर जागी।

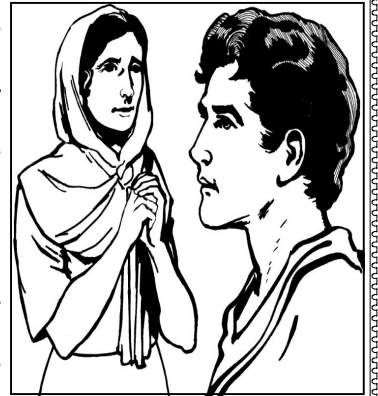


हार गई ईये ममता

बबिता, चौकी गां

बिमला अपु एक पुरु घरोटू अन्तर बिश कइ चऊ बिण लगो थी। तेन्के छत पूरी टुटी गो थी। मेघे लगी त उछारे पुओणी सोब अन्तर भरी घेन्तुथ। तेन्हि लाण जे सुसुर झिणे बि न भुन्तेथ।

तेसे धाणि रुप सिंह बोलुण लगा, “बिमलाए! से मेहणु एई गए। बिमला पतू जे मुड़ कइ हेरण लगी। से विचारी डरोरीं बिश कइ रोलुण लगी। तसे मुंह केआं किछ न नुथु। तसे धाणि रुप सिंह बोलुण लगा “हेर हें दिन-धिएड़ी ठीक नेंई। पुठे केआं चओर-चओर कुई। जीण मुशिकल भोई गओ असु। ई कपल तकर जीते। अभेई बि त असी केई टाई कुई असी।”



बिमला किछ बोती तेस केआं पेहलाई तसे धाणि दुई साले से कुई टाई कइ तेन्हि मेहणु के धे दी छई, जे अपु ईये भेण्ड उंचो थी। तेन्हि मेहणु अन्तरा एक जेई सुआ रुपेई रुप सिंहे हथ अन्तर छड़ कइ बोलु, “गिणि दे, पूरे पन्ज हजार असे।” तोउं तेन्हि मठिण कुई धे एक डबुण बिस्कुट दुतु त से खाण लगी। “घेन्ते!” ई बोल कइ, तेन्हि कुई कलाइ की त घेई गो। बिमला दुवार पुठ खाखड़ एक हथ अगर कर कइ हेरती रेहि गई।

पता से जोरि-जोरि बोलुण लगी ना-नारुके में कुई मेंधे वापस दिए। पर से मेहणु घेई गो। बिमला विचारी रोलती रेहि गई। बिमलाइ मुड़ कइ पतु हेरु त तसे कपटी मइद रुपेई गिणण मस्त थिआ। अजगता से बोलुण लगा, 'ओई.....इ त पन्ज सौ रुपेई घठ असे। से झठ तेन्के पता दौड़ गा। त बिमला घम दी कइ भी बिश गई। ई आश जोई कि तसे कुई वापस एई घेन्ती।



लाछ बुरी भुन्ती

विनोद, भटोस गा

यक गी बुढ़ा त बुढ़ी थिए। तेन्के पन्ज कुई थी। तेन्हि केई यक गौड़ा बि थिआ। से सत कुठणु दुध देन्ताथ।

यक रोज बुढ़े त बुढ़ी मन अन्तर खयाल आ कि अस अन्हि कुई दूर पुजाई छते। तोउं असी सत कुठणु दुध रजि भुन्तु। तोउं तेन अपु पन्जो कुई नी छेई त से हंठते-हंठते दूर पुज गए। बथ तेन्के बोउ तेन्हि कुई जे बोलुण लगा मोउं हगाण लगो असी। तुस हंठीण दिए अउं एई घेन्ता। तोउं तेन्के बोउए तेठि बथ लोड जोई यक बोडा बबण बन्ह छड़ा। से बबण ब्यारि बेलि भाड़-भाड़ करण लगा त कुई बोति हैं बोउ सुआ हगाण लगो असी।



पता, बुढ़ा तेठिया मठे नश कइ अपु गी पुज गा। ब्यादि बुढ़े गौड़ा तणा त तेन दुईए कुठणु दुध दुतु। तोउं बुढ़ा त बुढ़ी सोचण लगे कि आज हैं गौड़े दुईए कुठणु दुध किस दुतु। त से सुआ पछतेईये त रोलुण लगे। त भाई, कसे बि चीजी लाछ न करीण।

पुरशो, करे हिम्मत! सुसुर मतलब जोई लखिर लई कइ जोड़ीण दिए।

- | | |
|-------------------------------|----------------------------|
| 1. पेट अन्तर कीड़ा/मुश हन्टुण | चुप करना। |
| 2. मुंह बाड़ देण | बहुत भुखा होना। |
| 3. डा डा न सुखाण | आपस में मिल-जुल के न रहना। |
| 4. तालु सुखाण छाण | मज्जे को खराब करना। |

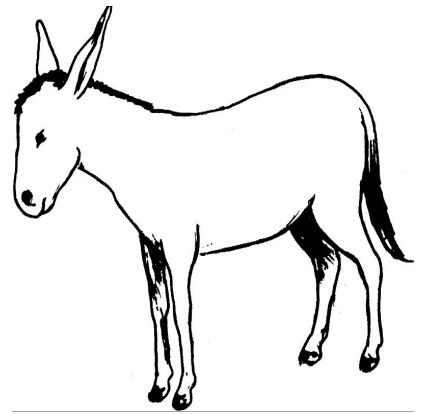
यक कुई त कुआ छेड़ी लगो थिए। कुआ हंठते-हंठते गधे अगर झड़ गा। त

बबीता

अपु भेउए अशीर्वाद नेण
लगो असा ना?



तुसी ठीक
बोलु, भेणिए!



ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

जिन्दगी प्यारे सम्बन्ध त मिआण केआं बध असी। एडस बीमारी भूण केआं खरी अपु मने इच्छा दबाण ज्यदा सुख्तु असु।

यौन खेले 3 मन्ते मजे अन्तर एडस बीमारी भोई घेन्ति। हाराले हिम्मत, अलग भूणे...